e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 10, Issue 9, September 2021

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.569

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com www.ijirset.com

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 9, September 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1009122 |

आजादी का अमृत महोत्सव

डॉ. मंजूषा मिश्रा

असोशिएट प्रोफेसर, का. सु. साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अयोध्या

सार

अमृत का शाब्दिक अर्थ 'अमरता' है। भारतीय ग्रंथों में यह अमरत्व प्रदान करने वाले रसायन (nectar) के अर्थ में प्रयुक्त होता है। यह शब्द सबसे पहले ऋग्वेद में आया है जहाँ यह सोम के विभिन्न पर्यायों में से एक है। व्युत्पत्ति की दृष्टि से यह यूनानी भाषा के 'अंब्रोसिया' (ambrosia) से संबंधित है तथा समान अर्थ वाला है।गुलामी की बेड़ियों से देश को स्वतंत्र कराने की लड़ाई कब शुरू हुई बताना कठिन है, लेकिन गोस्वामी तुलसीदास ने जब 'पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं' का उद्‌घोष किया तो उनके मानस में देश को स्वतंत्र कराने की ही कामना रही होगी। उन जैसे संतों ने ही हमारे अंदर स्वाभिमान की चिंगारी पैदा की, जो आगे चलकर स्वतंत्रता व स्वराज की मशाल बनकर उभरी और 1947 में हमने आजादी प्राप्त की। स्वाभिमान और स्वतंत्रता के बाद अब देश स्वावलंबन के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

आजादी के अमृत महोत्सव को भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च 2021 महात्मा गांधी दांडी यात्रा शुरुआत दिवस से शुरू किया। आजादी के अमृत महोत्सव को शुरू करने का महत्व भारत की आजादी को 75 वर्ष पूर्ण होना है जिसके 75 सप्ताह पहले ही अमृत महोत्सव शुरू किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत इस पद यात्रा का नाम फ्रीडम मार्च होगा। फ्रीडम मार्च में 80 लोगो के नाम शामिल किए गए है। जो गांधीजी की दांडी यात्रा से इंस्पायर है गांधी जी ने नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी यात्रा की उसमें भी उनके साथ 80 लोगों ने ही भाग लिया था। और दांडी यात्रा की तर्ज पर ही अमृत महोत्सव को 12 मार्च को प्रारंभ किया गया। जिसमे दांडी यात्रा की तरह 25 दिन में 241 मील का रास्ता ये यात्री 5 अप्रैल को पूर्ण कर लेंगे।

आजादी के अमृत महोत्सव में शामिल हुए नेता।

- गिरिराज सिंह
- विजय रुपाणी
- देवू सिंह चौहान
- अर्जुन सिंह चौहान

परिचय

भारत की स्वतंत्रता से तात्पर्य ब्रिटिश शासन द्वारा 15 अगस्त 1947 को भारत की सत्ता का हस्तांतरण भारत की जनता के प्रतिनिधियों को किए जाने से है। इस दिन दिल्ली के लाल किले पर भारत के पहले प्रधानमंत्री [पंडित जवाहर लाल नेहरू] ने भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर स्वाधीनता का ऐलान किया किया था। भारत के स्वाधीनता संग्राम की शुरुआत 1857 में हुए सिपाही विद्रोह को माना जाता है। स्वाधीनता के लिए हजारों लोगो ने अपने प्राण न्योछावर किए थे। भारत को स्वतन्त्रता कैसे मिली तथा भारत को स्वतन्त्रता मिलने में सबसे अधिक किसका योगदान है, इस पर भारी मतभेद है। **भारत का स्वतंत्रता**

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 9, September 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1009122 |

दिवस (अंग्रेज़ी: *Independence Day of India*, हिंदी:*इंडिपेंडेंस डे ऑफ़ इंडिया,*संस्कृतम्:"स्वातन्त्र्यदिनोत्सवः") हर वर्ष १५ अगस्त को मनाया जाता है। सन् 1947 में इसी दिन भारत के निवासियों ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। यह भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है।[1,2]

प्रतिवर्ष इस दिन भारत के प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से देश को सम्बोधित करते हैं। १५ अगस्त १९४७ के दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने, दिल्ली में लाल किले के लाहौरी गेट के ऊपर, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में लोगों ने काफी हद तक अहिंसक प्रतिरोध और सविनय अवज्ञा आंदोलनों में हिस्सा लिया। स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश भारत को धार्मिक आधार पर विभाजित किया गया, जिसमें भारत और पाकिस्तान का उदय हुआ। विभाजन के बाद दोनों देशों में हिंसक दंगे भड़क गए और सांप्रदायिक हिंसा की अनेक घटनाएं हुईं। विभाजन के कारण मनुष्य जाति के इतिहास में इतनी ज्यादा संख्या में लोगों का विस्थापन कभी नहीं हुआ। यह संख्या तकरीबन 1.45 करोड़ थी। भारत की जनगणना 1951 के अनुसार विभाजन के एकदम बाद 72,26,000 मुसलमान भारत छोड़कर पाकिस्तान गये और 72,49,000 हिन्दू और सिख पाकिस्तान छोड़कर भारत आए। [3,4]

इस दिन को झंडा फहराने के समारोह, परेड और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ पूरे भारत में मनाया जाता है। भारतीय इस दिन अपनी पोशाक, सामान, घरों और वाहनों पर राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित कर इस उत्सव को मनाते हैं और परिवार व दोस्तों के साथ देशभक्ति फिल्में देखते हैं, देशभक्ति के गीत सुनते हैं।

लाखों मुस्लिम, सिख और हिन्दू शरणार्थियों ने स्वतंत्रता के बाद तैयार नयी सीमाओं को पैदल पार कर सफर तय किया।पंजाब जहाँ सीमाओं ने सिख क्षेत्रों को दो हिस्सों में विभाजित किया, वहां बड़े पैमाने पर रक्तपात हुआ, बंगाल व बिहार में भी हिंसा भड़क गयी पर महात्मा गांधी की उपस्थिति ने सांप्रदायिक हिंसा को कम किया। नई सीमाओं के दोनों ओर 2 लाख 50 हज़ार से 10 लाख लोग हिंसा में मारे गए। पूरा देश स्वतंत्रता दिवस मना रहा था, वहीं गांधी जी नरसंहार को रोकने की कोशिश में कलकत्ता में रुक गए, पर 14 अगस्त 1947, को पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस घोषित हुआ और पाकिस्तान नामक नया देश अस्तित्व में आया; मुहम्मद अली जिन्ना ने कराची में पहले गवर्नर जनरल के रूप में शपथ ली।[5,6]

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 9, September 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1009122 |

भारत की संविधान सभा ने नई दिल्ली में संविधान हॉल में 14 अगस्त को 11 बजे अपने पांचवें सत्र की बैठक की। सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने की। इस सत्र में जवाहर लाल नेहरू ने भारत की आजादी की घोषणा करते हुए *ट्रिस्ट विद डेस्टिनी* नामक भाषण दिया।[14]

सभा के सदस्यों ने औपचारिक रूप से देश की सेवा करने की शपथ ली। महिलाओं के एक समूह ने भारत की महिलाओं का प्रतिनिधित्व किया व औपचारिक रूप से विधानसभा को राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया।आधिकारिक समारोह नई दिल्ली में हुए जिसके बाद भारत एक स्वतंत्र देश बन गया। नेहरू ने प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में पद ग्रहण किया, और वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने पहले गवर्नर जनरल के रूप में अपना पदभार संभाला। महात्मा गांधी के नाम के साथ लोगों ने इस अवसर को मनाया। गांधी ने हालांकि खुद आधिकारिक घटनाओं में कोई हिस्सा नहीं लिया। इसके बजाय, उन्होंने हिंदू और मुसलमानों के बीच शांति को प्रोत्साहित करने के लिए कलकत्ता में एक भीड़ से बात की, उस दौरान ये 24 घंटे उपवास पर रहे।15 अगस्त 1947 को सुबह 11:00 बजे संघटक सभा ने भारत की स्वतंत्रता का समारोह आरंभ किया, जिसमें अधिकारों का हस्तांतरण किया गया। जैसे ही मध्यरात्रि की घड़ी आई भारत ने अपनी स्वतंत्रता हासिल की और एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया।[7,8]

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इस दिन *ट्रिस्ट विद डेस्टिनी* (नियति से वादा) नामक अपना प्रसिद्ध भाषण दिया:

कई सालों पहले, हमने नियति से एक वादा किया था, और अब समय आ गया है कि हम अपना वादा निभायें, पूरी तरह न सही पर बहुत हद तक तो निभायें। आधी रात के समय, जब दुनिया सो रही होगी, भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जाग जाएगा। ऐसा क्षण आता है, मगर इतिहास में विरले ही आता है, जब हम पुराने से बाहर निकल नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त हो जाता है, जब एक देश की लम्बे समय से दबी हुई आत्मा मुक्त होती है। यह संयोग ही है कि इस पवित्र अवसर पर हम भारत और उसके लोगों की सेवा करने के लिए तथा सबसे बढ़कर मानवता की सेवा करने के लिए समर्पित होने की प्रतिज्ञा कर रहे हैं।... आज हम दुर्भाग्य के एक युग को समाप्त कर रहे हैं और भारत पुनः स्वयं को खोज पा रहा है। आज हम जिस उपलब्धि का उत्सव मना रहे हैं, वो केवल एक क़दम है, नए अवसरों के खुलने का। इससे भी बड़ी विजय और उपलब्धियां हमारी प्रतीक्षा कर रही हैं। भारत की सेवा का अर्थ है लाखों-करोड़ों पीड़ितों की सेवा करना। इसका अर्थ है निर्धनता, अज्ञानता, और अवसर की असमानता मिटाना। हमारी पीढ़ी के सबसे महान व्यक्ति की यही इच्छा है कि हर आँख से आंसू मिटे। संभवतः ये हमारे लिए संभव न हो पर जब तक लोगों कि आंखों में आंसू हैं, तब तक हमारा कार्य समाप्त नहीं होगा। आज एक बार फिर वर्षों के संघर्ष के बाद, भारत जागृत और स्वतंत्र है। भविष्य हमें बुला रहा है। हमें कहाँ जाना चाहिए और हमें क्या करना चाहिए, जिससे हम आम आदमी, किसानों और श्रमिकों के लिए स्वतंत्रता और अवसर ला सकें, हम निर्धनता मिटा, एक समृद्ध, लोकतान्त्रिक और प्रगतिशील देश बना सकें। हम ऐसी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संस्थाओं को बना सकें जो प्रत्येक स्त्री-पुरुष के लिए जीवन की परिपूर्णता और न्याय सुनिश्चित कर सके? कोई भी देश तब तक महान नहीं बन सकता जब तक उसके लोगों की सोच या कर्म संकीर्ण हैं।[15]

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 9, September 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1009122 |

देश के प्रथम नागरिक और देश के राष्ट्रपति स्वतंत्रता दिवस की पूर्वसंध्या पर "राष्ट्र के नाम संबोधन" देते हैं। इसके बाद अगले दिन दिल्ली में लाल किले पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है, जिसे 21 तोपों की सलामी दी जाती है। इसके बाद प्रधानमंत्री देश को संबोधित करते हैं। आयोजन के बाद स्कूली छात्र तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्य राष्ट्र गान गाते हैं। लाल किले में आयोजित देशभक्ति से ओतप्रोत इस रंगारंग कार्यक्रम को देश के सार्वजनिक प्रसारण सेवा दूरदर्शन (चैनल) द्वारा देशभर में सजीव (लाइव) प्रसारित किया जाता है। स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर राष्ट्रीय राजधानी तथा सभी शासकीय भवनों को रंग बिरंगी विद्युत सज्जा से सजाया जाता है, जो शाम का सबसे आकर्षक आयोजन होता है।[9,10]

विचार - विमर्श

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 9, September 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1009122 |

आजादी के अमृत महोत्सव आयोजन के माध्यम से लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने की इच्छा मोदी सरकार के मन में है। इसके लिए साबरमती आश्रम के पास मगन निकास है वहां एक चरखा रखा गया है और ये चरखा सामान्य चरखा नही है जब भी कोई व्यक्ति लोकल व्यापारी और कंपनी का माल खरीदेगा और उसकी तस्वीर को सोशल मीडिया पर लोकल फॉर वोकल का टैग लगाकर सोशल मीडिया पर डालेगा उसके तुरंत बाद ये चरखा घूमेगा। [16]

तेलंगाना सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए ₹250000000 के बजट को हरी झंडी दिखा दी है। जिसके तहत अमृत महोत्सव के चित्र महत्वपूर्ण तेलंगाना के क्षेत्रों में मनाया जाएगा और तिरंगा झंडा फहराया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव का अर्थ आजादी की ऊर्जा का अमृत है। यानी स्वतंत्रता सेनानियों की स्वाधीनता का अमृत। आजादी का अमृत महोत्सव मतलब नए विचारों का अमृत। नए संकल्पों का अमृत और आत्मनिर्भरता का अमृत है। प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी (Narendra Modi)** ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए **'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर (Azadi Ke Amrit Mahotsav se Swarnim Bharat Ki Ore)' कार्यक्रम** का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में **ब्रह्मकुमारी (Brahma Kumaris)** द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के लिए समर्पित सात साल की पहल शामिल है। **ब्रह्मकुमारी** द्वारा इन पहलों के तहत 30 से अधिक अभियान और 15000 से अधिक कार्यक्रम और इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे।[11,12]

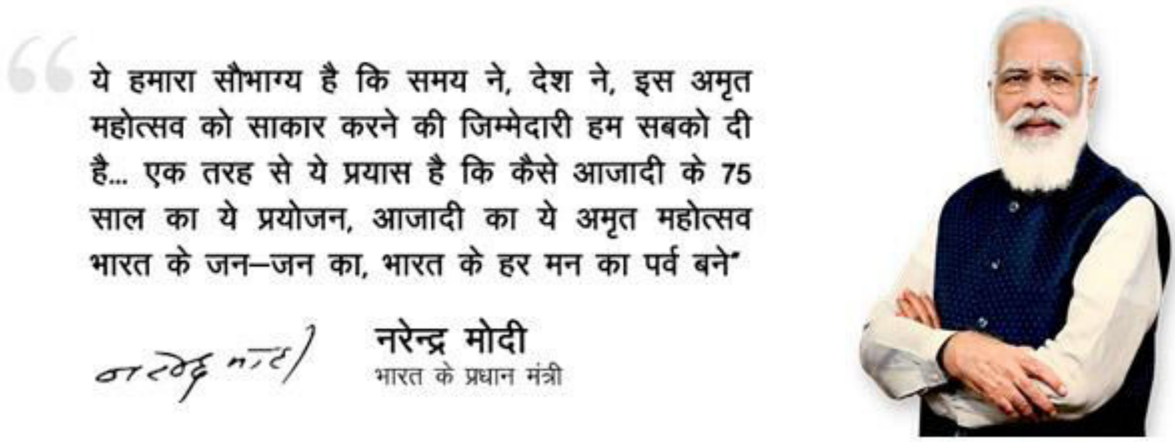

आशय

यह कार्यक्रम अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में आयोजित किये जायेंगे। यह कार्यक्रम कल्याण, आध्यात्मिकता और पोषण पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें डॉक्टरों के लिए सम्मेलन, कैंसर जांच और चिकित्सा शिविर भी शामिल होंगे।

ब्रह्मकुमारी की सात पहलों में शामिल हैं:

- मेरा भारत स्वस्थ भारत
- आत्मनिर्भर भारत: आत्मनिर्भर किसान
- महिलाएं: भारत की ध्वजवाहक
- शांति बस अभियान की शक्ति
- अन्देखा भारत साइकिल रैली
- यूनाइटेड इंडिया मोटर बाइक अभियान
- स्वच्छ भारत अभियान के तहत हरित पहल[17]

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 9, September 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1009122 |

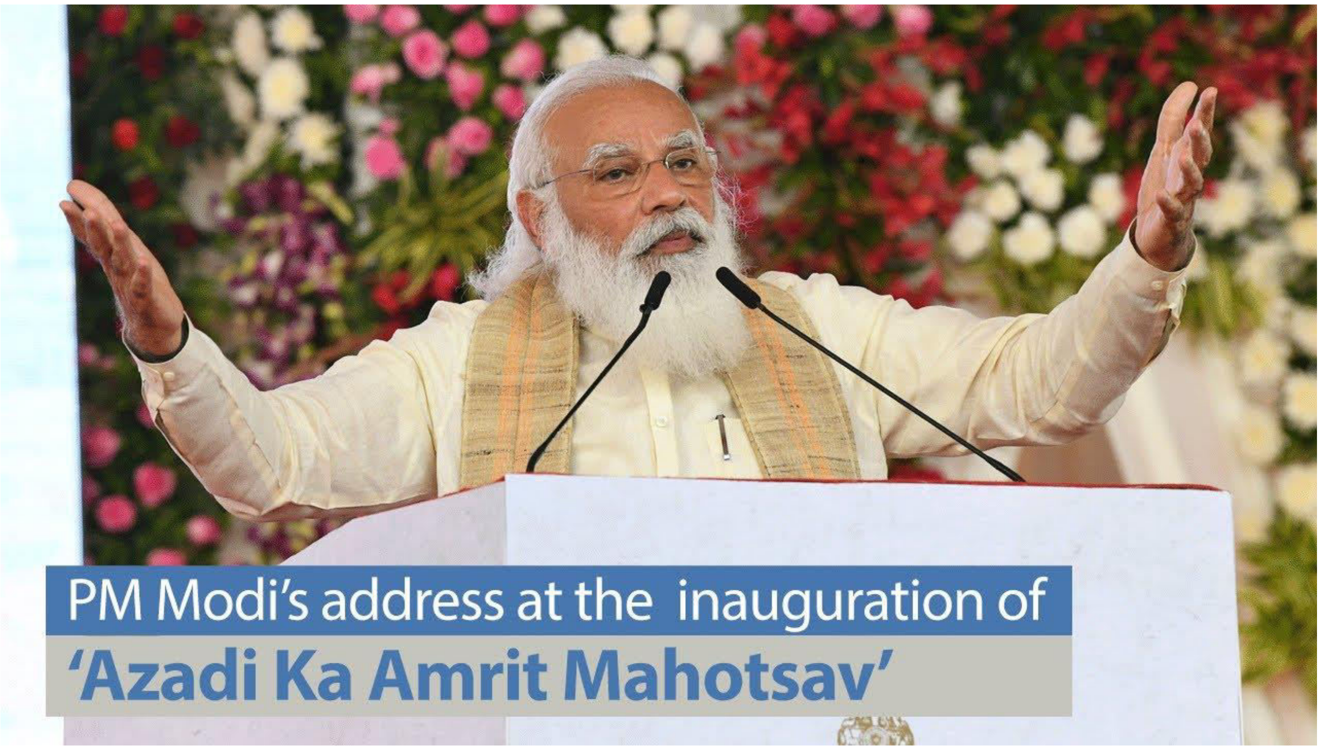

निष्कर्ष

संस्कृति मंत्रालय ने बताया, आजादी का **अमृत महोत्सव** के तहत सात माह में 7000 कार्यक्रम हुए देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 12 मार्च 2021 को आजादी का **अमृत महोत्सव** अभियान की शुरुआत की गई थी। संस्कृति सचिव गोविंद मोहन ने कहा अभियान सरकारी विभागों द्वारा चलाया जा रहा है और इससे निजी क्षेत्र को भी जुड़ना चाहिए। देश इस बार स्वतंत्रता दिवस (Independence Day 2021) पर आजादी का अमृत महोत्सव (Azadi Ka Amrit Mahotsav) मना रहा है। इसका लाइव प्रसारण भी शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष (75th independence day 2021) मनाने के लिए मार्च 2021 में गुजरात के साबरमती आश्रम अहमदाबाद से आजादी का अमृत महोत्सव शुरू किया था। दरअसल, भारत में अमृत महोत्सव शब्द का इस्तेमाल काफी पहले से होता आ रहा है। [18] जैसे- 1995 में स्वामी नारायण संप्रदाय के प्रमुख जब 75 साल के हुए, तो दुनियाभर में इस समुदाय ने 37 दिन का अमृत महोत्सव मनाया। मुंबई में तो इसके लिए विशेष आयोजन भी हुआ था। वैसे, किसी चीज के 75 साल पूरे होने पर या 75वीं जयंती पर अमृत महोत्सव मनाने के दूसरे और भी उदाहरण हैं। अमृत महोत्सव में सीधे तौर पर आपत्तिजनक कुछ नहीं है। ज्यादातर मामलों में यह शब्दावली धार्मिक संगठनों और आयोजनों से ही जुड़ी रहती है। अन्य आयोजनों में इसका इस्तेमाल सुनाई या दिखाई नहीं देता। देश में जयंती शब्द तब लोकप्रिय हुआ, जब सिनेमाघरों में हिट फिल्मों का दौर हुआ करता था। कुछ फिल्में रजत जयंती मनाती थीं और कुछ की स्वर्ण जयंती भी होती थी। कुछ खास फिल्में हीरक जयंती और उससे आगे भी पहुंच जाती थी। मगर अमृत महोत्सव कभी सुनाई नहीं दिया। जैसे- शोले फिल्म के 75 हफ्ते पूरे होने पर भी देशभर में कहीं अमृत महोत्सव नहीं मनाया गया। मगर इस बार भारत की आजादी के 75वें सालगिरह को अमृत महोत्सव के तौर पर ही मनाया जा रहा है।[19]

संदर्भ

1. "75 वें स्वतंत्रता दिवस से 75 सप्ताह पहले, पीएम मोदी ने अमृत महोत्सव का शुभारंभ किया" । टाइम्स ऑफ इंडिया । 12 मार्च 2021 ।
2. "पीएम मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए 5-आई फॉर्मूला प्रस्तुत किया, कहते हैं 'हम निश्चित रूप से अपनी वृद्धि वापस प्राप्त करेंगे'" । जागरण अंग्रेजी । 2 जून 2020।
3. ^ "12.5.2020 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का अंग्रेजी प्रतिपादन" । pib.gov.in (प्रेस सूचना ब्यूरो) । प्रधान मंत्री कार्यालय, भारत सरकार। 12 मई 2020। 23 मई 2020 को मूल से संग्रहीत ।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 10, Issue 9, September 2021 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2021.1009122 |

4. ^ मोहंती, प्रसन्ना (14 नवंबर 2020)। "रिबूटिंग इकोनॉमी 45: आत्म निर्भर भारत क्या है और यह भारत को कहां ले जाएगा?" . बिजनेस टुडे ।
5. ^ " आत्मानबीर भारत आत्म-नियंत्रण नहीं : पीएम ने वैश्विक निवेशकों को आश्वासन दिया" । आउटलुक इंडिया । 9 जुलाई 2020 ।
6. ^ जोशी एट अल। 2021 , पी. 1.
7. ^ "प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी: पोखरण (हिंदी) में परमाणु परीक्षण पर वक्तव्य" । डिजिटल लाइब्रेरी, लोकसभा, भारत की संसद । राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा होस्ट किया गया । डिजिटलीकरण इकाई, लोकसभा सचिवालय के माध्यम से सामग्री । 27 मई 1998। मूल से
8. ^ "प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी: पोखरण में परमाणु परीक्षण पर वक्तव्य" । डिजिटल लाइब्रेरी, लोकसभा, भारत की संसद । राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा होस्ट किया गया । डिजिटलीकरण इकाई, लोकसभा सचिवालय के माध्यम से सामग्री । 27 मई 1998।
9. ^ "ऑक्सफोर्ड हिंदी वर्ड ऑफ द ईयर 2020" । language.oup.com । 12 मई 2020। मूल से 13 मार्च 2021 को संग्रहीत । 13 मार्च 2021 को लिया गया । ऑक्सफ़ोर्ड हिंदी वर्ड ऑफ़ द ईयर 2020 है... आत्मानिभर्ता या आत्मनिर्भरता।
10. ^ गोपालकृष्णन, गीता (2002), एमएस स्वामीनाथन। भूख मुक्त दुनिया के लिए वन मैन्स क्रेस्ट (पीडीएफ) , युवा रोजगार शिखर सम्मेलन 2002 के लिए निर्मित, शिक्षा विकास केंद्र, इंक, पीपी 122, 128, 17 मार्च 2007 को मूल (पीडीएफ) से संग्रहीत
11. ^ सरुक्कई 2021 , पृ. 357.
12. ^ सरुक्कई 2021 , पी। 364.
13. ^ श्रीवास्तव, असीम (1 अक्टूबर 2019)। "150 में गांधी: वे प्राकृतिक स्व-शासन में विश्वास करते थे" । पृथ्वी के नीचे । मूल से 6 अक्टूबर 2019 को संग्रहीत ।
14. ^ सरकार, शंख्यनील, एड. (19 फरवरी 2021)। "नई शिक्षा नीति आत्मानिर्भर भारत के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी: पीएम मोदी" । हिंदुस्तान टाइम्स । मूल से 19 फरवरी 2021 को संग्रहीत किया गया ।
15. ^ "मेक इन इंडिया, आत्मानिर्भर भारत महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन की नई परिभाषाएँ: अमित शाह" । आउटलुक इंडिया ।
16. ^ "मेक इन इंडिया, आत्मानिर्भर भारत महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन की नई परिभाषा: अमित शाह" । पीटीआई। उदयवाणी ।
17. ^ "स्वदेशी" । अहिंसा के लिए मेटा सेंटर । 3 मई 2009। 12 अक्टूबर 2014 को मूल से संग्रहीत । 1 अक्टूबर 2020 को लिया गया ।
18. ^ मोहन झा, आनंद; कुमार झा, अमृत; कुमार झा, संजीव (2020)। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: प्रौद्योगिकी संचालित शिक्षा और आत्मनिर्भर भारत की ओर एक कदम" । सॉलिड स्टेट टेक्नोलॉजी । **63** (6)।
19. ^ बंसल, अखिल (4 जून 2020)। "आत्मानबीर भारत: सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि भारत अमेरिका, यूरोपीय संघ के साथ शर्तों पर कैसे बातचीत करता है" । वित्तीय एक्सप्रेस । मूल से 4 जून 2020 को संग्रहीत किया गया ।

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor

Impact Factor: 7.569

doi® crossref

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details